IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जनपद आजमगढ़ में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण के प्रतिरूप का भौगोलिक अध्ययन

शोध निर्देशक
डॉ0 अखिलेश तिवारी
असिस्टेंट प्रोफेसर
भूगोल विभाग
श्री गाँधी पी0जी0 कॉलेज,
मालटारी, आजमगढ़

शोधार्थी
यशवन्त यादव
एम0ए0, एम0एड0, नेट
भूगोल

शोध सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन क्षेत्र जनपद आजमगढ़ में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण के प्रतीक का भौगोलिक अध्ययन है अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि के कारण उनके विवरण प्रतिरूप में परिवर्तन के कारण अनेक प्रकार के मानवीय एवं पर्यावरणीय समस्या बढ़ती जा रही है। शोध क्षेत्र में 2001 के अनुसार जनसंख्या वृद्धि 24.4 प्रतिशत तथा 2011 में 15.89 प्रति वृद्धि वर्षीय रही है। जनपद जनसंख्या 2001 में 3642615 है तथा 2011 में 4218733 जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। 2001 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि के बदलते स्वरूप के जनसंख्या वितरण जनसंख्या घनत्व एवं लिंगानुपात में परिवर्तन आया है जिसके कारण जनसंख्या वृद्धि का विकासखण्ड अध्ययन करके जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन में मूल्यांकन करके ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं का भौगोलिक अध्ययन करके समाधान एवं सुझाव प्रस्तुत किया जायेगा।

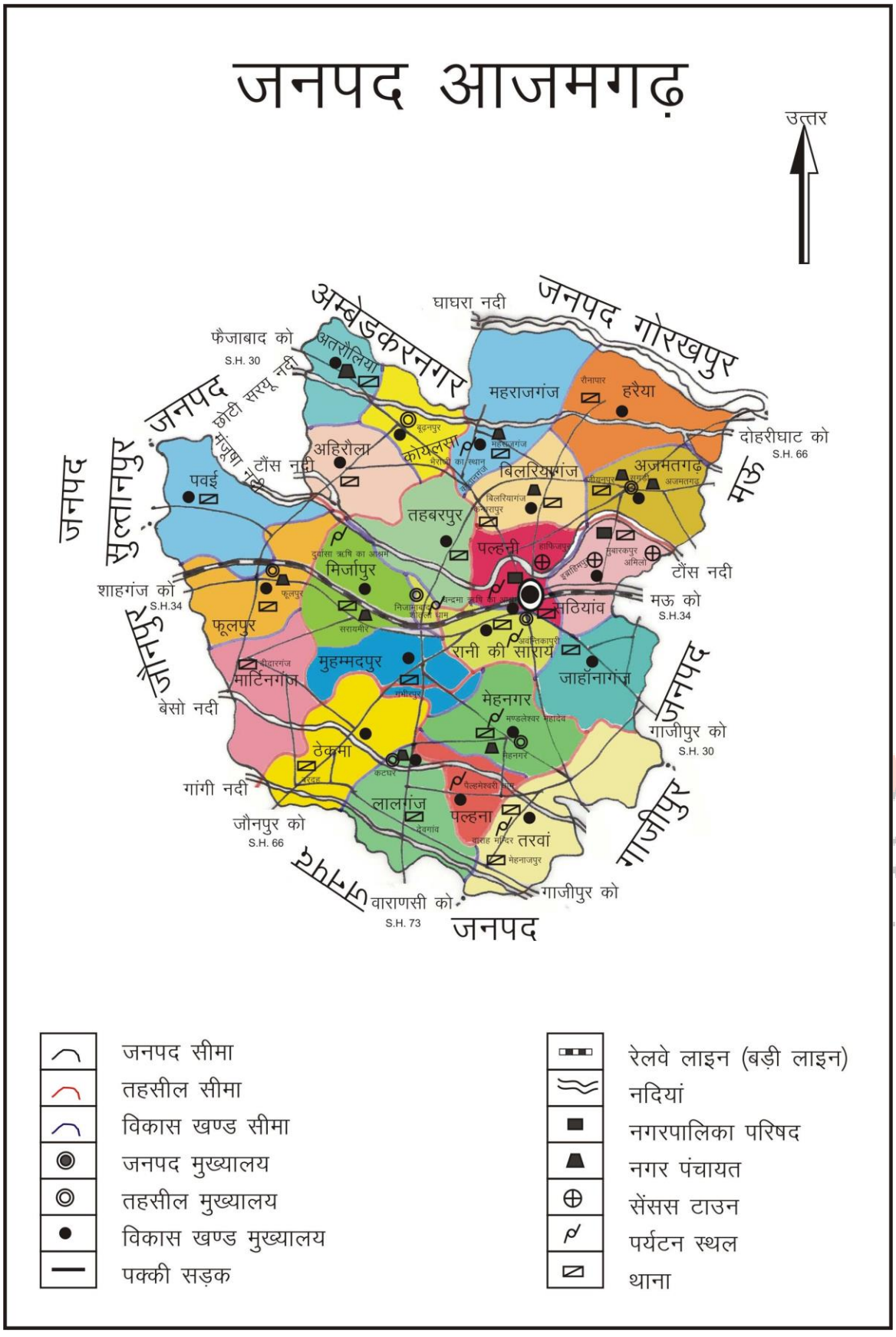

जनपद आजमगढ़
उत्तर
घाघरा नदी
जनपद गोरखपुर
अम्बेडकरनगर
फैजाबाद को
S.H. 30
अतरौलिया
छोटी सरयू नदी
जनपद
मंजूषा नदी
टौंस नदी
जनपद सुल्तानपुर
पवई
अहिरौला
कोयलसा
महराजगंज
हरैया
दोहरीघाट को
S.H. 66
बिलरियागंज
अजमतगढ़
मऊ
तहबरपुर
पल्हनी
मिर्जापुर
शाहगंज को
S.H.34
फूलपुर
जौनपुर
टौंस नदी
मऊ को
S.H.34
सठियांव
रानी की सराय
जहाँनागंज
मुहम्मदपुर
मार्टिनगंज
बेसो नदी
मेहनगर
जनपद
गाजीपुर को
S.H. 30
ठेकमा
गांगी नदी
लालगंज
पल्हना
तरवां
जौनपुर को
S.H. 66
गाजीपुर
वाराणसी को
S.H. 73
गाजीपुर को
जनपद
वाराणसी
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद मुख्यालय
तहसील मुख्यालय
विकास खण्ड मुख्यालय
पक्की सड़क
रेलवे लाइन (बड़ी लाइन)
नदियां
नगरपालिका परिषद
नगर पंचायत
सेंसस टाउन
पर्यटन स्थल
थाना

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध अध्ययन क्षेत्र आजमगढ़ जनपद उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है जो गोमती नदी के बायें किनारे तथा घाघरा (सरयू) नदी के दायें किनारे पर स्थित एक प्राचीन व ऐतिहासिक जनपद है सन् 1665 में राजा हरबंश सिंह (पौत्र) राजा आजम शाह ने एक नगर के रूप में बसाया था। सन् 19 नवम्बर 1988 को इस जनपद को आजमगढ़ और मऊ में विभाजित किया गया है। इस जनपद का विस्तार पूर्वी उत्तर प्रदेश में 25 अंश 28 मिनट से 26 अंश 27 मिनट उत्तरी अक्षांश तथा 82 अंश 41 मिनट से 83 अंश 52 मिनट पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है अब इस जनपद का क्षेत्रफल 4054 वर्ग किमी0 है आजमगढ़ जनपद का पूर्वी सीमा मऊ, दक्षिण पूर्व गाजीपुर, दक्षिण, जौनपुर, पश्चिम–सुल्तानपुर उत्तर पूर्व–अम्बेडकरनगर गोरखपुर द्वारा निर्धारित होता है।

अध्ययन क्षेत्र तीव्र जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरण अवनयन के कारण जनसंख्या पर्यावरण विकास के अन्तर्सम्बन्धी की खोज, प्राकृतिक पर्यावरण से अवनयन से उत्पन्न समस्याओं के आकलन तथा उसके मध्य संतुलित सम्बन्धों के पुनर्स्थापना एवं सुरक्षा हेतु आजमगढ़ जनपद का चयन किया है जो मध्य गंगा के सघनतम बसे (घाघरा–गोमती) क्षेत्रों में एक है। यहां पर उच्च जन्दर, निम्न मृत्युदर, तीव्र जनसंख्या वृद्धि, निम्न साक्षरता, कुपोषण, गरीबी, बेरोजगारी की समस्या विद्यमान है। मानचित्र संख्या 01 के अनुसार विभाजन के उपरान्त आजमगढ़ जनपद में 8 तहसीन 1–बूढ़नपुर, 2–फूलपुर, 3–लालगंज, 4–मेहनगर, 5–सदर, 6–सगड़ी, 7–निजामाबाद? 8–मार्टिनगंज और 22 विकासखण्ड हैं, पवई, लालगंज, मेंहनगर, हरैया, तरवां, ठेकमा, मिर्जापुर, पल्हना, अहरौला, कोयलसा, अतरौलिया, मुहम्मदपुर, पल्हनी, महाराजगंज, विलरियागंज, रानी की सराय, फूलपुर, मार्टिनगंज, अजमतगढ़, सठियांव, जहानागंज, तहबरपुर, जनपद में 4106 राजस्व ग्राम है जिसमें 3800 आबादी ग्राम तथा 302 पंचायत घर है 2011 की जनसंख्या के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 461134 है जिसमें 2284157 पुरुष एवं 2327977 महिलाओं की संख्या है।

भारत की जनसंख्या विकास प्रतिरूप के अनुसार आजमगढ़ जनपद की जनसंख्या एवं आर्थिक विकास की वर्तमान रूपरेखा का आंकलन करके एक ऐसी योजना प्रस्तुत करना है जिसके अनुसार जनसंख्या एवं पर्यावरण में पूर्ण संतुलन स्थापित हो सकें तथा मानव जीवन उच्च स्तर होने के साथ ही सम्यक् एवं संतुलित आर्थिक विकास पर्यावरणीय संतुलन पुनः स्थापित हो सकें।

सारणी संख्या 1

आजमगढ़ जनपद कुल जनसंख्या जनगणना वर्ष 2011

क्र.सं.	तहसील	विकासखण्ड	क्षेत्रफल वर्गमीटर	कुल जनसंख्या	पुरुष	महिला
1.	बूढ़नपुर	अहिरौला	196.02	205398	102363	103035
		कोयलसा	165.39	182846	89393	93453
		अतरौलिया	135.02	128503	62868	65635
2.	सगड़ी	हरैया	240.06	187423	92971	94502
		महराजगंज	263.94	199561	99005	100556
		बिलरियागंज	199.27	252989	126529	126460
		अजमतगढ़	205.35	216317	107183	109134
3.	सदर	पल्हनी	127.28	204970	105371	99599
		सठियांव	164.16	206311	104452	101859
		जहानागंज	180.89	166973	83373	83600
		रानी की सराय	139.01	183173	91220	91953
4.	निजामाबाद	मिर्जापुर	165.56	207383	101776	105607
		मुहम्मदपुर	191.92	191597	93809	97788
		तहबरपुर	176.26	179211	87794	91417
5.	फूलपुर	फूलपुर	191.20	207205	101490	105715
		पवई	206.99	212099	105139	106960
6.	लालगंज	ठेकमा	227.68	199524	96207	103317
		लालगंज	212.99	201966	97273	104693
		पल्हना	142.87	111961	53985	57976

7.	मेंहनगर	मेंहनगर तरवां	187.19 219.80	186593 192089	91787 94485	94806 97604
8.	मार्टिनगंज	मार्टिनगंज	194591	92.35	93387	101204
	योग ग्रामीण योग नगरीय		3994.44 59.56	4218733 393401	2081860 282297	2136873 191104
	योग जनपद	22	4054	4612134	2284157	2327977

स्रोत : 1. भारत की जनसंख्या 2011 प्राथमिक सार जनपद आजमगढ़ हस्तपुस्तिका भाग 6–7

2. जिला सांख्यिकीय पत्रिका जनपद आजमगढ़ 2011–2012, 2013–214

इस जनपद में जनसंख्या वृद्धि प्रतिदशक ग्रामीण एवं नगरीय दोनों क्षेत्रों में वृद्धि हुई है 1901 से 2011 तक जनसंख्या में निरन्तर वृद्धि दर हुई है 1901 से 2011 तक जनसंख्या में दशक वृद्धि को सारणी नं0 2 द्वारा दर्शाया गया है।

आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरण अवनयन ..... समाधान के सुझाव जनपद में जनगणना के अनुसार प्रति दशक आबाद ग्रामों की संख्या, जनसंख्या तथा प्रति दशक प्रतिदश अन्तर 1901–2011

वर्ष	कुल आबाद ग्राम	जनसंख्या		प्रति दशक में प्रतिशत अनतर		
		कुल	ग्रामीण	कुल % वृद्धि	ग्रामीण	नगरीय
1901	4688	1551654	1460027	—	—	—
1911	4805	1496084	1430579	—4.0	—2.0	29.0
1921	4814	1531970	1458147	2.0	2.0	13.0
1931	4852	1574982	1489582	3.0	2.0	16.0
1941	4404	1826590	1728039	16.0	16.0	15.0
1951	4889	2106557	1998425	15.0	16.0	20.0
1961	4916	2408052	2292879	14.0	15.0	7.0
1971	4943	2857484	2708617	19.0	18.0	29.0
1981	3661	2513527	2346544	—12.0	23.0	12.0
1991	3721	3153885	2928166	26.0	25.0	35.0
2001	3792	3939916	3642615	24.9	24.4	31.7
2011	3800	462134	4218733	15.82	16.5	29.9

किसी भी जनपद का धार्मिक सम्प्रदाय धर्म सिक्ख धर्म में थोड़ी से वृद्धि हुई अन्य एवं जनगणनाउसकी संख्या के अनुसार किया धर्म नहीं बताने वाले लोगों में भी वृद्धि हुई है। 2001 और 2011 की तुलना करने पर इस प्रकार जनपद में धर्म के अनुसार दस वर्षीय हिन्दू धर्म की जनसंख्या कमी तथा मुस्लिम धर्म वृष्टि को दर्शाया गया है। जो सारणी संख्या 3 वृद्धि की स्थिति पायी जाती है और बौद्ध से सम्बन्धित है।

जनगणना सन् 2011 के अनुसार

क्र.सं.	प्रमुख धर्म	कुल जनसंख्या	ग्रामीण	नगरीय	2011	2001	अन्तर
1.	हिन्दू	3878626	3673609	205218	84.06	84.57	-0.51
2.	मुस्लिम	718692		186110	15.58	15.07	+.51
3.	इसाई	3810		823	0.08	0.09	-0.1
4.	सिक्ख	719		259	0.02	0.010	+0.8
5.	बौद्ध	5652		296	0.12	0.010	+0.2
6.	जैन	183	165	18	0.00	0.04	-
7.	अन्य	226	207	19	0.00	0.06	-
8.	अज्ञात	6005	5347	658	0.14	00	+0.14
	योग	**4613913**	**4220512**	**393401**	**100.00**	**100.00**	

आजमगढ़ जनपद में प्रत्येक दस वर्षों के बाद जनसंख्या की जनगणना 2001 से 2011 के आंकड़ों से स्पष्ट होता है। जनपद में कुल जनसंख्या में पुरुषों की संख्या महिलाओं से कम है। साक्षरता में पुरुषों की साक्षरता महिलाओं लिंगानुपात में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक इस प्रकार दो दशक की जनसंख्या गणना को स्पष्ट किया गया है।

किसी भी जनपद में जनसंख्या वृद्धि का निर्धारण उसकी जनसंख्या के आकार और क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक इकाई के अनुसार किया जाता है, सारणी संख्या 1 से स्पष्ट है कि 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या के आकार के अनुसार जनपद का सबसे बड़ी तहसील सगड़ी 856340 व्यक्ति है जो क्षेत्रफल के अनुसार 808.59 वर्गकिमी है इसी प्रकार सबसे छोटी मार्टिनगंज, तहसील की जनसंख्या 194591 व्यक्ति हैं तथा क्षेत्रफल 232.35 वर्गकिमी0 है। जनपद में जनसंख्या वृद्धि आठ तहसील के क्रमानुसार है। फूलपुर 419304, बूढ़नपुर, 516747, निजामाबाद 578191, मेंहनगर 378682, सदर 761427, सगड़ी 856340, मार्टिनगंज 194591, लालगंज 513451 है जो ग्रामीण जनसंख्या 91.7 प्रतिशत को प्रदश्रित करता है तथा नगरीय क्षेत्रों की जनसंख्या 393401 है तथा क्षेत्रफल 59.56 वर्ग किमी0 है जो कुल जनसंख्या का 8.53 प्रतिशत नगरीय जनसंख्या है। जनपद का 2001 के अनुसार लिंगानुसार 1000/972 तथा 2011 के जनपद का लिंगानुपात 1000/1019 है तथा जनसंख्या घनत्व 1991 में 743 2001 में 972

तथा 2011 में 1938 व्यक्ति प्रति वर्गकिमी0 है। जनपद की साक्षरता 1991 में 39 प्रतिशत 2001 में 56.96 प्रतिशत तथा 2011 में 70.93 प्रतिशत है जनपद में पुरुष साक्षरता सारणी संख्या 2 के अनुसार 2001–2011 के दशक में जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 15.82 प्रतिशत है जो 2001 में 24.40 प्रतिशत है जनपद जनसंख्या वृद्धि दर में कमी है। ग्रामीण वृद्धि 29.96 प्रतिशत है जनपद में ग्रामीण एवं नगरीय दोनों की जनसंख्या वृद्धि में कमी हुई है। सारणी संख्या 3 में स्पष्ट है कि धार्मिक सम्प्रदाय की जनसंख्या में हिन्दू 84.06 प्रतिशत मुस्लिम 15.58, ईसाई 0.08 प्रतिशत सिक्ख, 0.027, बौद्ध 0.12 प्रतिशत, जैन 0.00 प्रतिशत अन्य 0.00 प्रतिशत धर्म नहीं बताया 0.14 प्रतिशत है। 2001–2011 में हिन्दू की जनसंख्या में वृद्धि प्रतिशत कमी हुई है। सिक्ख जैन बौद्ध की जनसंख्या में थोड़ी से वृद्धि हुई है। इस प्रकार ग्रमीण एवं नगरीय जनसंख्या धार्मिक सम्प्रदाय की दृष्टि कुल ग्रामीण जनसंख्या 4220512 है जो 91.77 प्रतिशत तथा नगरीय जनसंख्या 393401 है जो कुल जनसंख्या 8.53 प्रतिशत है जो जनपद में सभी धार्मिक जनसंख्या को प्रदश्रित करता है। इस प्रकार विभिन्न भौगोलिक आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक राजनीतिक कारणों से जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में जनसंख्या वृद्धि की दर भिन्न–भिन्न रही है।

अ. आजमगढ़ जनपद जनसंख्या वृद्धि की विशषताएं

1. आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या वृद्धि ग्रामीण में 91.47 प्रतिशत है तथा नगरीय क्षेत्रों में 8.53 प्रतिशत है जो देश के ग्रामीण स्तर से अधिक नगरीय स्तर से कम है।
2. जनपद की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है।
3. विवेच्य अवधि में जनपद में जनसंख्या वृद्धि 2001 के अनुसार 24.9 प्रतिशत तथा 2011 के अनुसार 15.82 प्रतिशत है जो पिछली जनसंख्या से वर्तमान जनगणना में कमी हुई है।
4. जनपद के कुल जनसंख्या में पुरुषों की संख्या से महिलाओं की संख्या में अधिक है।
5. जनपद में मेंहनगर विकासखण्ड में जनसंख्या वृद्धि 38.28 सबसे अधिक है तथा तहबरपुर विकासखण्ड में 0.95 सबसे कम प्रतिशत है।
6. जनपद में जनसंख्या कृषि क्षेत्रों में अधिक संलग्न है और ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक कार्य करती है।
7. जनपद में हिन्दू धार्मिक सम्प्रदाय में कमी तथा मुस्लिम धार्मिक सम्प्रदाय में वृद्धि हुई है।
8. 2001–11 के अनुसार जनसंख्या घनत्व में वृद्धि तथा लिंगानुपात में कमी हुई है।
9. जनपद के आठ तहसील तथा 22 विकासखण्ड के जनगणना के आंकड़े प्रदर्शित होंगे।
10. जनपद के सगड़ी 856340 सदर 761427 निजामाबाद 578191 अधिक जनसंख्या के तहसील हैं तथा मार्टिनगंज 194501 कम जनसंख्या है।

11. जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरण से ..... आंकड़ों का प्रदर्शन किया जायेगा।

12. विकासखण्ड विलरियागंज 252989 अजमतगढ़ 216317 पवई 212099 अहरौला 205398 में जनसंख्या वृद्धि अधिक है तथा पल्हना 111961 अतरौलिया 128503 कम वृद्धि दर है।

आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याएं

1. आवास की समस्या
2. परिवहन की समस्या
3. स्वच्छ पेयजल पूति समस्या
4. विद्युतापूर्ति की समस्या
5. नगरीय एवं ग्रामीण मल जल और कूड़ा–कचरा निस्तारण की समस्या
6. उच्च जन घनत्व व भीड़भाड़ की समस्या
7. प्रदूषण की समस्या
8. शिक्षा व स्वास्थ्य की समस्या
9. अतिक्रमण की समस्या
10. प्रशासनिक समस्याएं
11. भूमि वितरण की समस्या
12. कृषि वितरण की समस्या
13. बेरोजगारी की समस्या
14. आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक समस्या
15. वैज्ञानिक तकनीकी ज्ञान का अभाव
16. जल, वन, मृदा की समस्या
17. असाध्य रोगों की समस्या

समस्याओं के निराकरण हेतु सुझाव व रणनीति

1. शिक्षा का प्रचार–प्रसार किया जाय।
2. आधुनिक व बहुमंजिल आवासीय गांवों को विकसित किया जाय।
3. परिवहन की नवीन साधनों को विकसित किया जाय।
4. जन्म दर एवं मृत्यु दर में समानता होनी चाहिए।
5. सड़कों व गलियों को अतिक्रमण मुक्त किया जाय।
6. विद्युत एवं विद्युत उपकेन्द्रों की संख्या बढ़ाई जाय।
7. ऊर्जा के वैकल्पित श्रोतों सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाय।
8. महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जाय।
9. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के द्वारा मानव स्वास्थ्य को बढ़ा दिया जाय।
10. स्वच्छ एवं पेयजल पूर्ति की व्यवस्था की जाय।
11. तकनीकी शिक्षा का प्रचार–प्रसार करके बेरोजगारी से मुक्त किया जाय।
12. भूमि उपयोग का कृषि के क्षेत्रों में हरित जैविक खादों को बढ़ावा दिया जाय।
13. जनजागरूकता अभियान के माध्यम से परिवार नियोजन को बढ़ावा दिया जाय।
14. पर्यावरण के जैविक एवं अजैविक तत्वों को संतुलित उपयोग किया जाय।
15. प्रशासनिक अधिकारों को जनसमूह समन्वय स्थापित किया जाय।
16. ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में रोजगार के नये साधनों को विकसित किया जाय।
17. जनसंख्या एवं सूचना के नवीन तकनीकी साधनों को विकसित किया जाय।
18. जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याआं को अवगत कराकर नियोजन के पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए।
19. विभिन्न पर्यावरण तत्वों का नियोजन।
20. जनसंख्या एवं पर्यावरण अवनयन के बीच संतुलन स्थापित करने की योजना होनी चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. हीरालाल–जनसंख्या भूगोल, बसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
2. एस0डी0 कौशिक 1997, मानव भूगोल रस्तोगी प्रकाशन, मेरठ।
3. सिद्ध सविन्द्र–पर्यावरण भूगोल पर्यावरण पुस्तक सदर इलाहाबाद।
4. हुसैन मस्जिद–मानव भूगोल रावत प्रकाशन, जयपुर
5. सिंह, उजागिर–नगरीय भूगोल हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, लखनऊ।
6. चौहान एवं गौतक–भारत का भूगोल रस्तोगी प्रकाशन मेरठ
7. सिंह एवं दूबे 1997 प्रादेशिक विकास नियोजन तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।
8. एस0एन0 अग्रवाल, भारत की जनसंख्या की समस्याएं मैक ग्राहिल नई दिल्ली 1977
9. बी0पी0 पण्डा–जनसंख्या भूगोल म0प्र0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल।
10. एस0पी0 बंसल 1998–नगरीय भूगोल मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ